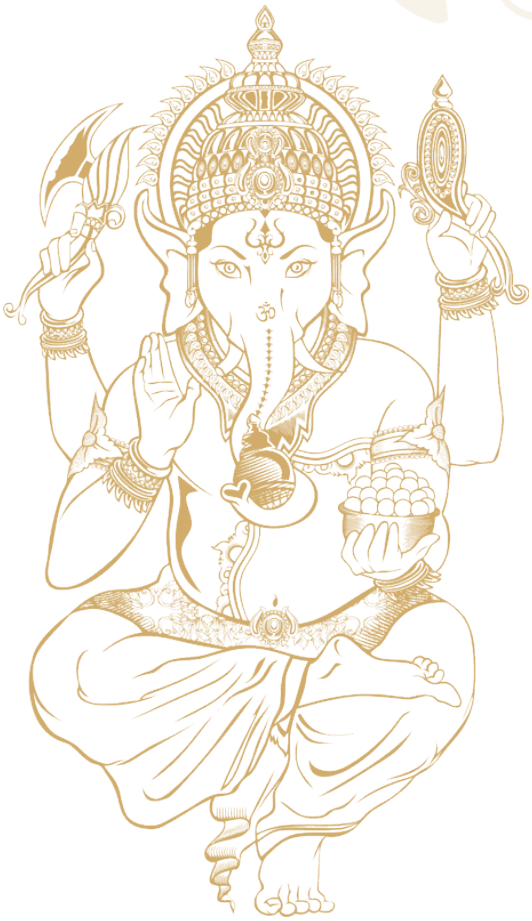

Sandeep

Poonam

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119763501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119763501 Date: 13/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
9-10/09/1992	जन्म तिथि	05/05/2002
बुध-गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 04:30:00	जन्म समय	09:00:00 घंटे
घटी 56:28:22	जन्म समय(घटी)	08:29:21 घटी
India	देश	India
Gondia	स्थान	Gondia
21:23:00 उत्तर	अक्षांश	21:23:00 उत्तर
80:14:00 पूर्व	रेखांश	80:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:09:04	स्थानिक संस्कार	-00:09:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:39	सूर्योदय	05:36:15
18:16:42	सूर्यास्त	18:35:41
23:45:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:05
सिंह	लग्न	मिथुन
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कुम्भ	राशि	मकर
शनि	राशि-स्वामी	शनि
धनिष्ठा	नक्षत्र	धनिष्ठा
मंगल	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	2
सुकर्मा	योग	ब्रह्म
गर	करण	तैतिल
गू-गूजरमल	जन्म नामाक्षर	गी-गीता
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
सिंह	योनि	सिंह
राक्षस	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
मार्जार	वर्ग	मार्जार

ACHARYA RAVINS KUMAR MISHRA
LUCKNOW HANUMAN SETU MANDIR
(मुख्यमंत्री आवास गोमती नगर लखनऊ)
9559152997
shubhmamishra26@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 3वर्ष 3मा 26दि		03:27:41	सिंह	लग्न	मिथु	10:58:50	मंगल 3वर्ष 6मा 3दि	
गुरु		23:44:11	सिंह	सूर्य	मेष	20:35:08	गुरु	
05/01/2014		00:20:25	कुंभ	चंद्र	मक	29:58:56	07/11/2023	
05/01/2030		04:55:17	मिथु	मंगल	वृष	20:36:09	07/11/2039	
गुरु	23/02/2016	18:57:20	सिंह	बुध	वृष	11:21:29	गुरु	25/12/2025
शनि	06/09/2018	29:39:20	सिंह	गुरु	मिथु	17:43:02	शनि	08/07/2028
बुध	12/12/2020	17:38:12	कन्या	शुक्र	वृष	17:31:51	बुध	14/10/2030
केतु	18/11/2021	19:05:59	मक व	शनि	वृष	20:06:25	केतु	19/09/2031
शुक्र	19/07/2024	03:32:15	धनु व	राहु व	वृष	24:31:56	शुक्र	20/05/2034
सूर्य	07/05/2025	03:32:15	मिथु व	केतु व	वृश्चि	24:31:56	सूर्य	09/03/2035
चन्द्र	06/09/2026	20:21:18	धनु व	हर्ष	कुंभ	04:36:47	चन्द्र	08/07/2036
मंगल	13/08/2027	22:30:24	धनु व	नेप	मक	17:04:38	मंगल	14/06/2037
राहु	05/01/2030	26:51:35	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	23:13:00	राहु	07/11/2039

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:45:36 चित्रपक्षीय अयनांश 23:53:05

लग्न-चलित

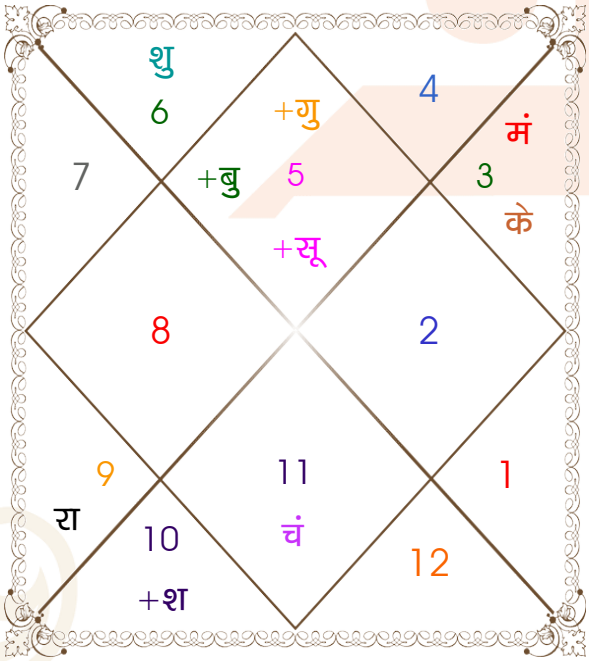

लग्न-चलित

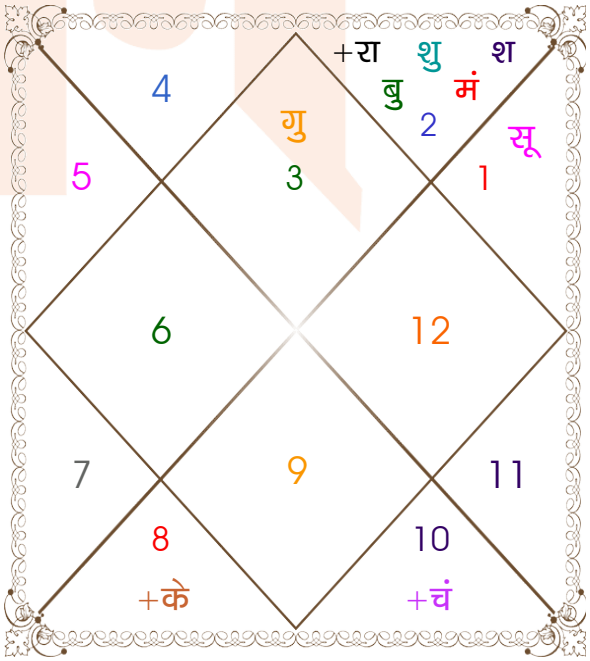

ACHARYA RAVINS KUMAR MISHRA
LUCKNOW HANUMAN SETU MANDIR
(मुख्यमंत्री आवास गोमती नगर लखनऊ)
9559152997
shubhmamishra26@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सिंह	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

कुल : 19 / 36

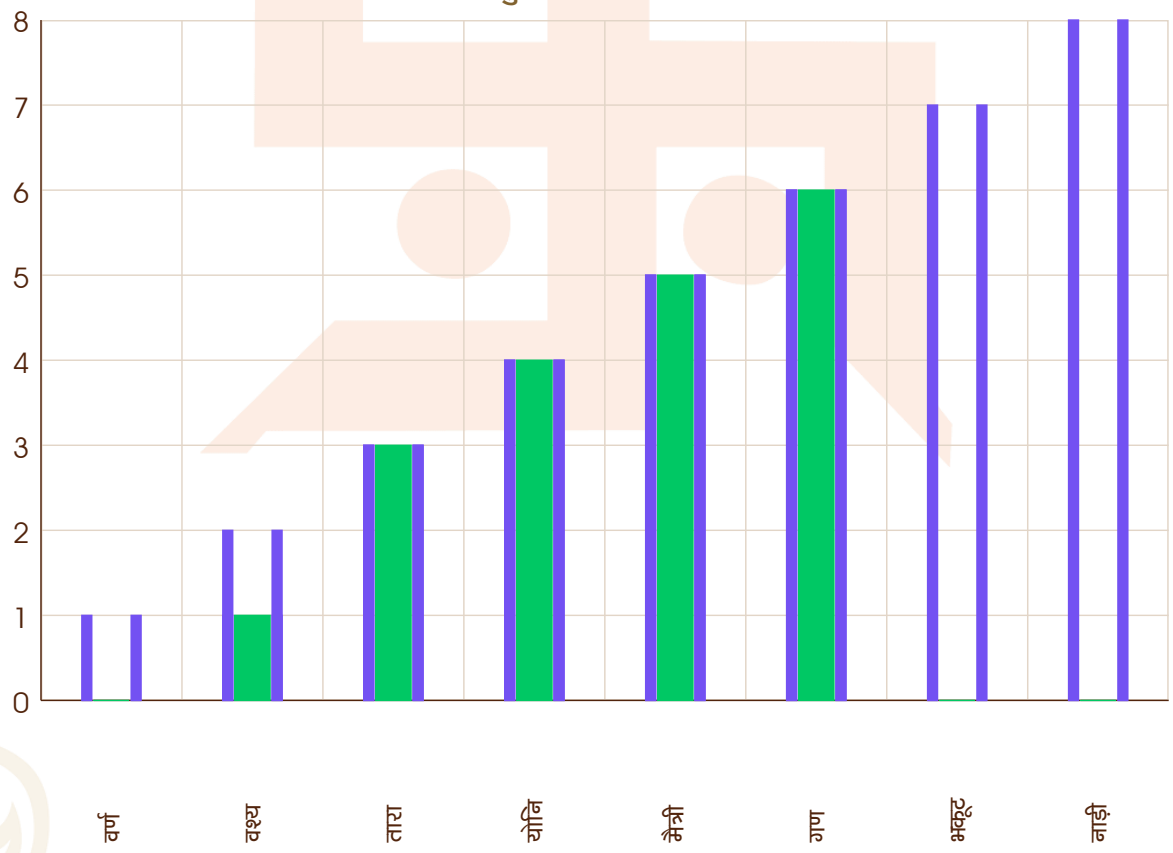

ACHARYA RAVINS KUMAR MISHRA
LUCKNOW HANUMAN SETU MANDIR
(मुख्यमंत्री आवास गोमती नगर लखनऊ)
9559152997
shubhmamishra26@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के एक ही नक्षत्र एवं एक ही चरण है।

ैदकममच का वर्ग मार्जार है तथा च्ववदंउ का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारैदकममच और च्ववदंउ का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ैदकममच मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

च्ववदंउ मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल च्ववदंउ कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु च्ववदंउ कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनिैदकममच कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ACHARYA RAVINS KUMAR MISHRA
LUCKNOW HANUMAN SETU MANDIR
(मुख्यमंत्री आवास गोमती नगर लखनऊ)
9559152997
shubhmamishra26@gmail.com

ैदकममच तथा च्ववदंउ में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

ACHARYA RAVINS KUMAR MISHRA
LUCKNOW HANUMAN SETU MANDIR
(मुख्यमंत्री आवास गोमती नगर लखनऊ)
9559152997
shubhmamishra26@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ैदकममच का वर्ण शूद्र है तथा च्ववदंउ का वर्ण वैश्य है। क्योंकि च्ववदंउ का वर्ण ैदकममच के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। च्ववदंउ अति स्वार्थी तथा धन-लोलुप होगी। वह हमेशा दूसरों की कीमत पर सिर्फ अपने स्वार्थ की पूर्ति करती रहेगी। यह च्ववदंउ अपने पति, बच्चों तथा परिवार के लोगों की न तो चिन्ता करेगी और न ही देखभाल। लड़ाई-झगड़ा करके यह हमेशा घर के लोगों का जीना दूभर कर सकती है।

वश्य

ैदकममच का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं च्ववदंउ का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें ैदकममच एवं च्ववदंउ दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः ैदकममच च्ववदंउ पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि ैदकममच हमेश च्ववदंउ के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

ैदकममच की तारा जन्म तथा च्ववदंउ की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

ैदकममच की योनि सिंह है तथा च्ववदंउ की योनि भी सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सझम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक

समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ँदकममच एवं च्ववदंउ दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ँदकममच एवं च्ववदंउ दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

ँदकममच का गण राक्षस है तथा च्ववदंउ का गण भी राक्षस है। अर्थात च्ववदंउ का गण ँदकममच के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण ँदकममच एवं च्ववदंउ दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

ँदकममच से च्ववदंउ की राशि द्वादश भाव में स्थित है च्ववदंउ से ँदकममच की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में ँदकममच परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु च्ववदंउ का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। च्ववदंउ की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही च्ववदंउ तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

ँदकममच की नाड़ी मध्य है तथा च्ववदंउ की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में ँदकममच एवं च्ववदंउ का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

ACHARYA RAVINS KUMAR MISHRA
LUCKNOW HANUMAN SETU MANDIR
(मुख्यमंत्री आवास गोमती नगर लखनऊ)
9559152997
shubhmamishra26@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

ैदकममच की जन्मराशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा च्ववदंउ की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर राशि है। वायु तथा पृथ्वी में नैसर्गिक विषमता के कारण इनमें स्वभावगत असमानताएं रहेंगी जिससे दाम्पत्य संबंध विशेष मधुर नहीं होंगे एवं वैवाहिक जीवन प्रतिकूल रहेगा। अतः यह मिलान सामान्य रहेगा।

ैदकममच और च्ववदंउ की जन्मराशि का स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से दोनों के मध्य परस्पर संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग एवं सहानुभूति का भाव रहेगा। साथ ही सुख दुख में एक दूसरे की पूर्ण सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। दकममच और च्ववदंउ एक सच्चे मित्र की तरह एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे जीवन में सुख शांति की वृद्धि होगी तथा आनन्दपूर्वक समय व्यतीत करेंगे।

ैदकममच और च्ववदंउ की राशियां परस्पर द्वादश तथा द्वितीय भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह एक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभप्रभावों में न्यूनता आएगी तथा संबंधों में मतभेद तथा विरोध का भाव रहेगा लेकिन राशि स्वामी एक होने के कारण विशेष अनिष्ट की संभावना नहीं रहेगी तथापि यदिैदकममच और च्ववदंउ दोनों बुद्धिमता तथा सामंजस्य की प्रवृति से कार्य करें तो अशुभ प्रभावों में न्यूनता होगी तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

ैदकममच का वश्य मानव तथा च्ववदंउ का वश्य जलचर है। मानव तथा जलचर में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अन्तर रहेगा। साथ ही शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी तथा दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा संतुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

ैदकममच का वर्ण शूद्र तथा च्ववदंउ का वर्ण वैश्य है। अतःैदकममच की प्रवृति किसी भी कार्य को ईमानदारी एवं परिश्रम से करने की रहेगी जबकि च्ववदंउ की प्रवृति धनार्जन में रहेगी तथा धन को वे विशेष महत्व प्रदान करेंगी।

धन

ैदकममच और च्ववदंउ एक ही तारा 'जनम' में उत्पन्न हुए है। आर्थिक रूप से इनकी स्थिति अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। लेकिन राशियों की स्थिति द्विद्वार्दश होने से भकूट दोष होगा जिससे व्यय की अधिकता रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक स्थिति पर दुष्प्रभाव होगा अतः जीवन में यदा कदा के धनाभाव की भी अनुभूति कर सकते है परन्तु इसका प्रभाव अल्प समय के लिए होगा एवं सामान्य जीवन धन धान्य से युक्त होकर व्यतीत करेंगे।

ACHARYA RAVINS KUMAR MISHRA
LUCKNOW HANUMAN SETU MANDIR
(मुख्यमंत्री आवास गोमती नगर लखनऊ)
9559152997
shubhmamishra26@gmail.com

भकूट दोष के प्रभाव सेँदकममच की प्रवृति अधिक व्ययशील रहेगी लेकिन इससे विशेष अधिक परेशानी नहीं होगी। साथ हीँदकममच को पैतृक जायदाद तथा सम्पति की प्राप्ति हो सकती है जिससे इस सबका प्रभाव अल्प मात्रा में ही होगा।

स्वास्थ्य

ँदकममच और च्ववदंउ दोनों मध्य नाड़ी में उत्पन्न हुए है अतः नाड़ी दोष से ये प्रभावित होंगे। इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक दुर्बलता का आभास होगा। साथ हीँदकममच के लिए मंगल भी अशुभ रहेगा जिससे वे रक्त या पित संबधी कष्ट प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबधी परेशानी भी होगी इसके अतिरिक्त धातु या गुप्त रोगों की संभावना भी हो सकती है। इससे परस्पर संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा अतः मिलान के लिए यत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करनी चाहिए। तथापि शुभ फलों की प्राप्ति के लिएँदकममच को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का उपवास करना श्रेष्ठ सिद्ध हो सकता है।

संतान

संतति की दृष्टि सेँदकममच और च्ववदंउ का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से ँदकममच और च्ववदंउ को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्तँदकममच और च्ववदंउ के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

च्ववदंउ का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः च्ववदंउ के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार च्ववदंउ सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वाराँदकममच और च्ववदंउ को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकारँदकममच और च्ववदंउ का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

च्ववदंउ के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत च्ववदंउ के लिए

अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

च्ववदंउ अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार च्ववदंउ के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

ैदकममच की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय परैदकममच सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिनैदकममच ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों काैदकममच के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।